structing a Railway line from Khurda Road to Balangir via Daspalla, Purunakatak, Baghiapara and Tarbha;

(b) if so, whether Government propose to conduct a secondary investigation; and

(c) when during the next Five Year Plan, Government propose to take up the work?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Preliminary Engineering and Traffic surveys for a new broad gauge line between Khurda Road and Balangir were carried out during 1946-47.

(b) No

(c) The proposals for construction of new lines during the Fourth Five Year Plan are still to be finanlised.

सुपौल–प्रतापगंज रेलवे लाइन का विस्तार

253. **श्री गुणानन्द ठाकुर** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ समय पहले यह निर्णय किया गया था कि बिहार में सुपौल से थरमीटा, भपटियाही-राघोपुर हो कर प्रतापगंज तक रेलवे लाइन का विस्तार किया जायेगा तथा भूतपूर्व रेलवे मंत्री, डा० राम सुभग सिंह ने 23 अक्तूबर, 1966 को सुपौल (बिहार) में इस कार्य का उद्घाटन भी किया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह आश्वासन दिया गया था कि सूखे से पीड़ित स्थानीय लोगों को इस लाइन के निर्माण कार्य में लगाया जायेगा ;

(ग) यदि हां, तो कितने स्थानीय लोगों को अब तक रोजगार दिया जा चुका है ; और

(घ) इस रेलवे लाइन के कब तक पूरा हो जाने की संभावना है तथा थरमीटा और भपटियाही के बीच यह लाइन किस रास्ते से गुजरेगी ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) सुपौल भपतियाही व्यक्त लाइन के केवल सुपौल और थरमीटा के बीच के भाग (12.78 कि०मी०) में ही फिर से लाइन बिछाने का निश्चय किया गया था । इस निर्माण कार्य का उद्घाटन 23-10-66 को भूतपूर्व रेलवे राज्य मंत्री द्वारा किया गया था और इस पर काम हो रहा है ।

(ख) इस तरह का कोई आश्वासन नहीं दिया गया था ।

(ग) यद्यपि कोई आश्वासन नहीं दिया गया, फिर भी लगभग 500 स्थानीय व्यक्तियों को, जिन्हें उपयुक्त पाया गया, इस काम पर लगा दिया गया है ।

(घ) सुपौल-थरमीटा भाग में फिर से लाइन बिछाने का काम मई, 1967 तक पूरा हो जाने की संभावना है । थरमीटा और भपटियाही के बीच के हिस्से में फिर से लाइन बिछाने का फिलहाल कोई विचार नहीं है ।

Sale of Handloom Cloth

254. **Shri Y. G. Gowd:** Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether there is any society run eihter on cooperative lines or by Government for the promotion of sale of handloom cloth in and outside the country;

(b) if so, what was its turn-over in 1966;

(c) the sources from which the cloth for sale was procured;

(d) what is the percentage of cloth procured from the cooperatives, businessmen and master weavers;